एक नजर में

विनयवान व्यक्ति ही गुरू के हृदय में निवास करता है-संयतमुनि

नागदा। मीडिया प्रभारी नितिन बुडावनवाला एवं चातुर्मास अध्यक्ष आकाश वोरा ने बताया कि तपस्यायें लगातार जारी है, बड़ी तपस्याओं में 28 उपवास बेबीकुंवर सुरेशसिंह डोडिया रत्नाखेड़ी के चल रहे है। तेले की लड़ी मधुबाला निर्मल चपलोद की पूर्ण होकर शकुंतला नरेन्द्र चपलोद की शुरू हो गई है। 9 उपवास भी राधेश्याम पोरवाल के पूर्ण होकर गुप्त नाम से शुरू हो गये हैं। 12 दिवसीय पुच्छीसुणम के जाप भी शुरू हो गये हैं। जिसके लाभार्थी अभय कुमार राजकुमार चपलोत है। धर्मसभा में अणुवत्स ने कहा कि जहां धर्म नहीं होता वहां विनय नहीं होता, हमेशा गुरू का कद ऊंचा होता है। गुरु के हृदय में विनयवान व्यक्ति ही निवास कर सकता है। गलती होने पर विनित व्यक्ति ही अपनी गलती मानेगा। विनय सभी धार्मिक क्रियाओं का आधार होता है। परिषह को जितने के लिये सहन करने के लिये अनुकूल बनाने के लिये सम्यक दृष्टि का होना जरूरी है। मोक्ष मार्ग में जाने के लिये मनुष्य जन्म, शास्त्रे श्रवण, जीनवाणी श्रवण एवं पुरुषार्थ में संयम बहुत जरूरी है। संसार का प्रमाद छोड़ने के लिए मृत्यु को हमेशा याद रखे। हर व्यक्ति सुखी रहने के लिये कुछ न कुछ कर्म करता ही रहता है। वो थोड़े से सुख के लिये आने वाले बड़े सुख को खो देता है। कर्म करके फल प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला इंसान कभी सफल नहीं हो सकता।

असामाजिक तत्वों ने रात्रि में मचाया उत्पात

नागदा। शहर में एक बार फिर असामाजिक तत्वों ने रात के अंधेरे में उत्पात मचाया है। पुलिस थाने से महज कुछ ही दूरी पर पाडल्या रोड पर अज्ञात लोगों ने घरों के बाहर खड़ी चार पहिया वाहनों के कांच फोड़ दिए। इस घटना से पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार पाडल्या रोड पर खड़े तीन चारपहिया वाहनों जिनमें विनयराज शर्मा, प्रकाश वाडेला और पवन पोरवाल के वाहन शामिल हैं के फ्रंट कांच अज्ञात अपराधियों ने ईंट-पत्थर से फोड़ दिए। सुबह जब रहवासी जागे तो देखा कि तीनों वाहनों के कांच पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। देखने वालों को साफ लगा कि यह कोई शरारती हरकत नहीं बल्कि जानबूझकर की गई तोड़फोड़ है। फरियादी विनयराज शर्मा पिता नन्दकिशोर शर्मा निवासी 178, पाडल्या रोड, नागदा ने पुलिस थाना नागदा मण्डी में लिखित आवेदन देकर बताया कि उनकी कार एमपी13 सीबी 6975 और उसके पास खड़े अन्य वाहनों के कांच अज्ञात बदमाशों द्वारा तोड़ दिए गए हैं। इसी प्रकार प्रकाश वाडेला पिता राजेन्द्र कुमार वाडेला निवासी 241, पाडल्या रोड, नागदा ने बताया कि उनकी मारुति वेगनआर क्रमांक एमपी-09 सीआर 4703 के कांच भी रात में फोड़ दिए गए हैं। पवन पोरवाल के वाहन को भी इसी तरह क्षति पहुंचाई गई है। सभी पीड़ितों ने पुलिस में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

रूद्राक्ष साक्षात् भगवान शिव के आंसू का अंश है

नागदा। सर्वब्राह्मण समाज नागदा द्वारा वैदिक जागृति ज्ञानपीठ रतलाम द्वारा अभिमंत्रित किये गये रूद्राक्ष का वितरण खड़े हनुमान मंदिर पर रविवार दोपहर 2 बजे से किया गया। जिसमें परम पूज्य दंडी स्वामी आत्मानंद सरस्वती रतलाम, महर्षि संजय शिव शंकर दवे पीठाधीश्वर वैदिक जागृति ज्ञान विज्ञान पीठ के भगवताचार्य रतलाम, आचार्य सोमेश शर्मा, धर्म प्रचारक प्रवीण नायक खाचरौद, प्रहलाद शर्मा समाजसेवी, संरक्षक गुलजारीलाल त्रिवेदी, अध्यक्ष आनंद दीक्षित मंचासीन थे। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक सुनील त्रिवेदी, राजेश शर्मा, अवधेश पुरोहित, डॉ. प्रदीप रावल, राधावल्लभ व्यास, अजय पंड्या ने किया। इस मौके पर स्वामी सरस्वतीजी ने कहा कि रूद्राक्ष साक्षात् भगवान शिव के आंसू का अंश है। भागवताचार्य चेतन शर्मा ने कहा कि रूद्राक्ष के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात् ओम नमः शिवाय बोलते हुए सभी को रूद्राक्ष का वितरण सर्वब्राह्मण समाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुरलीमनोहर पाराशर, मनीष व्यास, पुरूषोत्तम पुरोहित, राकेश शर्मा, प्रभात शर्मा, रविकिशन पारीक, सुरेन्द्र शर्मा, दिनेश पुरोहित, विद्याधर शर्मा, अर्जुन पंडित, एल एस त्रिपाठी, अग्निवेश पाण्डेय, यशवंत दुबे, अजय नागर, रमेशचन्द्र रावल, अरुण पोतदार, विजय पाराशर, हेमन्त तिवारी, संजय उपाध्याय, सुरेश उपाध्याय, दीपक रावल, रामजी त्रिपाठी, आलोक नागर, प्रदीप दुबे, पुरुषोत्तम सारस्वत, रोहित व्यास, विमला पुरोहित, सुकर्णा त्रिपाठी, चंद्रकांता शर्मा, कविता तिवारी, नलिनी शुक्ला उपस्थित थी। संचालन सीमा सारस्वत ने किया एवं आभार कार्यक्रम संयोजक सुनील त्रिवेदी ने माना।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

माकड़ोन। श्री विश्वकर्मा गुजराती सुतार समाज जिला देवास द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। समाज सेवा की इस प्रेरणादायक पहल में कुल 86 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। नेत्र परीक्षण आनंदम नेत्रालय, इंदौर के सुप्रसिद्ध डॉक्टरों के सहयोग से किया गया। जिन्होंने रोगियों को आवश्यक परामर्श भी दिया। इस सेवा कार्य में राहुल पिता घनश्याम शर्मा का विशेष योगदान रहा। शिविर का शुभारंभ प्रभु विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के वरिष्ठजन रामचंद्र विश्वकर्मा एवं समाज जिला अध्यक्ष शंकरलाल विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में यशवंत तिवारी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं भी नेत्र परीक्षण करवाया और समाजजनों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने में मील का पत्थर साबित होंगे। कार्यक्रम के दौरान अंबाराम कारपेंटर माकड़ोन ने समाज के सभी भामाशाहों और वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया और कहा कि विश्वकर्मा समाज तन-मन-धन से सेवा में सदैव अग्रणी रहा है। समाज के प्रत्येक सदस्य का यह समर्पण सराहनीय है। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। शंकर विश्वकर्मा, सचिव मोहनलाल, दिनेश, नरेंद्र, बाबूलाल, अंबाराम, मुकेश, विनोद शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में राजेंद्र शर्मा ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित समाजजनों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया।

सज गए बाजार खरीदारी से आएगी सुख-समृद्धि की बहार

- दीपावली से पहले पुष्य नक्षत्र का विशेष योग होगी जमकर खरीदारी उत्सव का उल्लास

उज्जैन। इस बार दीपावली कई शुभसंयोग लेकर आ रही है। दीपावली की खरीदारी के लिए भी कई शुभयोग और संयोग बन रहे हैं। पं. जय शिव के अनुसार इस बार दीपावली तक बन रहे शुभ संयोगों में खरीदारी से सुख और समृद्धि बढ़ेगी। इस बार मंगलवार और बुधवार को दो दिन नक्षत्रों का राजा पुष्य का योग बना है। पं. जय शिव के अनुसार धनतेरस के दिन 18 अक्टूबर को गाड़ी, स्वर्ण, चांदी, वस्त्र, बर्तन की खरीदारी शुभरहेगा। वहीं, 20 अक्टूबर को आभूषण, गाड़ी, भूमि, भवन, गृह उपयोगी सामग्री, फ्रिज, टीवी आदि की खरीदारी शुभ मानी गई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस बार दीपावली पर कुछ दिन बाद ही शुरु हो रहे शादी ब्याह के सीजन होने के कारण बाजार गुलजार होने लगे हैं। बाजारों में इन दिनों अच्छी खरीदारी हो रही है।

धन, यश और वैभव का प्रतीक

पं. जय शिव के अनुसार पुष्य नक्षत्र 14 अक्टूबर दोपहर 11.54 बजे से 15 अक्टूबर दोपहर 11.59 बजे तक रहेगा। पुष्य नक्षत्र और धनतेरस दोनों ही दिन कीमती धातुओं की खरीदारी के लिए सर्वाधिक शुभमुहूर्त होते हैं। इसलिए लोग दीपावली से पहले पुष्य नक्षत्र की प्रतीक्षा करते हैं। पुष्य नक्षत्र में किए गए कार्य दीर्घकालिक फलदायी होते हैं। इस नक्षत्र में की गई खरीदी न केवल शुभ मानी जाती है बल्कि स्थायी समृद्धि का आधार भी बनती हैं। पुष्य नक्षत्र के दिन शादी के शुभकार्य की शुरुआत के साथ खरीदारी की शुरुआत को भी शुभ माना गया है। पं. जय शिव के अनुसार 27 नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र पुष्य है, जिसे नक्षत्रों का राजा कहा गया है। यह नक्षत्र धन, यश और वैभव का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस नक्षत्र में खरीदने से घर में स्थायी सुख-समृद्धि आती हैं।

पुष्य नक्षत्र में इन वस्तुओं की खरीदी शुभ

अचल संपत्ति-मकान, प्लॉट, फ्लेट, कृषि भूमि, व्यावसायिक संपत्ति। चल संपत्ति - सोना, चांदी, हीरा व आभूषण। वाहन - दुपहिया, चारपहिया, इलेक्ट्रिक वाहन। इलेक्ट्रॉनिक्स-फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव, एसी आदि। उद्योग निवेश-व्यवसाय विस्तार या नए उद्योग के लिए भूमि व उपकरण आदि।

दीपावली तक खरीदारी के शुभ योग

14 व 15 अक्टूबर पुष्य नक्षत्र। 17 अक्टूबर सिद्धि, कुमार व राज योग। 18 अक्टूबर धनत्रयोदशी, 19 अक्टूबर अमृत सिद्धि योग। 20 अक्टूबर सर्वार्थसिद्धि योग। 23 अक्टूबर रवि योग।

स्नेह को सर्वश्रेष्ठ विशेष विद्यालय का राष्ट्रीय सम्मान

नागदा। दिव्यांगजन सशक्तिकरण और पुनर्वास के क्षेत्र में देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित लायन्स ऑफ नागदा की स्थायी परियोजना स्नेह को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल पर्पल फेस्टिवल के भव्य मंच पर रविवार को यूनेस्को, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) और ग्लोबल इंक्लूसिव एजुकेशन नेटवर्क (जीआईईएन) द्वारा भारत का सर्वश्रेष्ठ विशेष विद्यालय के राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

स्नेह के परियोजना अधिकारी विप्लव चौहान ने बताया कि पुरस्कार समारोह में गोवा के सामाजिक न्याय मंत्री सुभाष देसाई, दिव्यांगजन आयुक्त गुरु पावस्कर, संयुक्त राष्ट्र सूचना केंद्र के निदेशक डेरिक फ़ैरेंट, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के डीन प्रो. बिपिन जोजो तथा ग्लोबल इंक्लूसिव एजुकेशन नेटवर्क के संस्थापक सतीश कपूर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन सभी गणमान्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से यह प्रतिष्ठित सम्मान स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू को प्रदान किया गया। स्नेह के संस्थापक लायन डॉ. पंकज मारू ने बताया कि यह पुरस्कार न केवल संस्था के अथक परिश्रम और समर्पण का परिणाम है बल्कि नागदा नगर और मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय भी है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान हर उस विशेष बच्चे, शिक्षक और अभिभावक का है जो समावेशी समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। यह सम्मान स्नेह को विशेष बच्चों के लिए नवाचारी कार्यप्रणालियों, समावेशी शिक्षा के सशक्त मॉडल और शिक्षा के क्षेत्र में सतत उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

इस अवसर पर परिवार के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुदीप गोयल, परिवार पंजाब की प्रेरणा खन्ना तथा पांडिचेरी से चित्रा शाह भी समारोह में उपस्थित थे।

इस उपलब्धि पर गोविंद मोहता, पंकज पावेचा, विनय राज शर्मा, विजय पोरवाल, रवि कांठेड़, सुरेन्द्रसिंह चौहान, लायन्स क्लब नागदा ग्रेटर के अध्यक्ष लायन डॉ. हिमांशु दत्त पांडे, लायन्स क्लब नागदा के अध्यक्ष एनके मिश्रा, लायन जया राठी, सलीम खान, सतीश बजाज, सुनील त्रिवेदी, मुकेश मोहता, अशोक बिसानी, अजय पोरवाल, मुकेश राठौर, संतोष कोलन, मनीष ओरा, धर्मेन्द्र बम, सहित लायन्स परिवार, नागदा नगरवासी एवं स्नेह के शुभचिंतकों ने डॉ. पंकज मारू और स्नेह परिवार को हार्दिक बधाई दी।

द्विशतावधान से गूंजेगा नागदा मुनिश्री की अद्भुत स्मरणशक्ति बनेगी प्रेरणा

- त्रि-स्तुतिक श्रीसंघ में रचाया जाएगा नया इतिहास, होगा भव्य 200 अवधान द्विशतावधान आयोजन

नागदा। नयनरम्य नागदा नगरी में धर्म, ज्ञान और स्मरणशक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। गुरुदेव विजय राजेन्द्र सूरिश्वर महाराज की 200वीं जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में 200 अवधान द्विशतावधान का ऐतिहासिक आयोजन 23 अक्टूबर गुरुवार परिषद् के संस्थापक गुरुदेव श्री यतीन्द्रसूरि जी महाराजा के जन्मदिवस पर सुबह 9 बजे से ज्योति श्री रिसोर्ट नागदा पर होगा।

इस आयोजन में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के प्रथम शतावधानी, पुण्य सम्राट गुरुदेव जयन्तसेन सूरिश्व के शिष्यरत्न मुनिराज प्रत्यक्षरत्न विजय अपनी विलक्षण स्मरणशक्ति, अद्भुत एकाग्रता और आत्मबल का परिचय देते हुए 200 अवधान प्रस्तुत करेंगे। पूर्व में मुनि ने वर्ष 2015 में श्री पेपराल तीर्थ चातुर्मास एवं वर्ष 2016 में रतलाम चातुर्मास के दौरान शतावधान प्रस्तुत किया था। उस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के मंत्री चेतन्य काश्यप ने मुनि को त्रिस्तुतिक श्रीसंघ के प्रथम शतावधान का अलंकरण प्रदान किया था। अब नागदा नगर में अपने प्रथम स्वतंत्र चातुर्मास में मुनि द्वारा द्विशतावधान प्रस्तुत किया जाना जैन समाज के लिए गर्व व गौरव का विषय है। श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ एवं जयन्तराज चातुर्मास समिति नागदा की आज्ञा से इस आयोजन के मुख्य लाभार्थी अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् शाखा नागदा रहेगे। परिषद के ब्रजेश बोहरा व दिलीप ओरा व दिलीप गांधी ने सामूहिक रूप से समस्त श्री संघों व परिषद परिवार से कि इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक अवसर पर नागदा पधारकर धर्मलाभी बनने की भावपूर्ण विनती की। परिषद परिवार ने आयोजित कार्यक्रम त्रिस्तुतिक श्रीसंघ में रचेगा नया इतिहास द्विशतावधान के माध्यम से गूंजेगा नागदा का नाम धर्म और साधना के इतिहास में।

नपा सीएमओ के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

नागदा। नगर में गत दिनों सप्लाय हुए गंदे पानी के मामले को लेकर नपा मुनपा अधिकारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की मांग उठ रही है। रविवार को गैरराजनीतिक अभियान बैनरतले मंडी पुलिस थाना पहुंच कर थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि नगर पालिका ने 251 दिन शहर को बगैर लैब टेस्ट करें पानी सप्लाई किया जो जनता की सेहत के साथ सीधा-सीधा खिलवाड़ है नागदा में लगातार जल जनित बीमारियां आम जनता को हो रही है।

आवेदन में बताया कि नगर पालिका परिषद नागदा के सीएमओ द्वारा न्यायालय अनुविभागीय दंडाधिकारी नागदा के प्रकरण क्रमांक 141/2025 दि. 19/09/25 के पैरा क्रमांक 3 में स्वीकार किया है कि विगत दिनांक 03/09/25 से 10/09/25 तक हुई अत्यधिक वर्षा के कारण नदी का जल प्रभावित हुआ था। इसलिये मटमैला पानी नगर में प्रदाय किया गया था।

जो कि अपने आप में एक अपराध है और सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ सीधा-सीधा खिलवाड़ है। नगर पालिका परिषद के पास बारिश का मटमैला पानी साफ कर जनता को प्रदाय करने की कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि शासन द्वारा नगर पालिका के सीएमओ एवं सभी अधीनस्थ जलप्रदाय विभाग के कर्मचारियों को जनता को शुद्ध जल प्रदाय का निर्देश दिया है।

पिछले कई वर्षो से लगातार सेटल टेंक नहीं बनाने से मटमैला व अशुद्ध पानी जनता को प्रदाय किया जा रहा है। सेटल टेंक के निर्माण की जवाबदारी सम्पूर्ण परिषद, सीएमओ एवं अधीक्षण यंत्री की है। नगर पालिका परिषद द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जो निर्देश दिये गये हैं उन निर्देशो के अनुसार पानी का शोधन नहीं किया जाता हैं। पिछले कई वर्षो से पानी के शोधन की जांच के लिये केमिस्ट नहीं है। बिना जांच के पानी का प्रदाय किया जाना व अपने पत्र में शुद्ध पानी प्रदाय किया जाना लिखा जा रहा है।

इस मौके पर कैलाश सनोलिया, अभय चोपड़ा, भूपेंद्र सिंह राणावत, बकुलेश ओरा, राजकुमार गुर्जर, आनंद गोठरवाल, राजेंद्र चौहान, मनोहर चौहान, सत्यनारायण उपाध्याय, जुम्मन खा, चेतन नामदेव, दिलीप फतरोड, शेख साहिल, मुकेश अहिरवार, हितेंद्र शुक्ला, हीरालाल मरमट, लोकुमल खत्री, हिमांशु शर्मा, नरेंद्र सिंह देवड़ा, संजय सिंह तोमर, रामतारा शर्मा, कमला कुमावत, गुड्डी बारिया, राजकुमारी रघवंशी, कमला मकवाना, पूजा रघुवंशी, साधना परमार, दीपिका रघुवंशी, सुनिता गौड, रानी गौड, श्याम कुंवर सहित नागरिक उपस्थित थे।

एक नजर कन्फ्लुएंस के अंतिम दिन वक्ताओं ने अनुभव साझा किए, युवाओं में दिखा उत्साह

आध्यात्मिक दृष्टिकोण है भारत की पहचान : डॉ. मनमोहन वैद्य

उज्जैन। औपनिवेशिक चेतना और अनुभव हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि आज का शासन और नीतियाँ किस हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से प्रभावित हैं, जो अंग्रेजों के समय में बनी थी। अब समय है कि हम भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के आधार पर नीतियों को पुनः परिभाषित करें। युवाओं में जागृत हो रही नई चेतना इस बदलाव की सबसे बड़ी शक्ति है, जो आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और सांस्कृतिक रूप से जागरूक भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

यह बात यंग थिंकर्स कॉन्क्लुएंस 2025 के तीसरे और अंतिम दिन के प्रथम सत्र की शुरुआत में फाउंडेशन फॉर स्टडी ऑफ इंडियन कल्चर बेंगलुरु के निर्देशक प्रो. एम. एस. चैत्रा ने कही। उज्जैन के अवंतिका विश्वविद्यालय में आयोजित यंग थिंकर्स कॉन्क्लुएंस के दूसरे सत्र में प्रसिद्ध लेखक पंकज सक्सेना ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में हिन्दू समाज की स्थिति के विषय को, भारत की जनगणना वर्ष 2011 के तथ्यों के आधार पर समझाया कि क्रिश्चियन मिशनरियों और कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा हिन्दू समाज को विभाजित और कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी संस्कृति, परंपरा और धर्म के प्रति सजग रहें, क्योंकि यही भारत की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि चेतना और एकता से ही समाज का पुनर्निर्माण संभव है। मोनोथिइज़्म विषय पर सी. राम सेशन, रिलीजियन एंड फ़िलोलॉजी स्कॉलर और आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र, ने रोमन साम्राज्य में ईसाइयत के तथ्यात्मक परंतु पीड़ादायक प्रसार पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रकृति पूजक समाजों के साथ 'कट्टर एक ईश्वरवादी रिलिजियंस' के टकराव एवं उससे उत्पन्न हुए दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला।

'भारत की भारतीय अवधारणा' विषय पर अपने विचार रखते हुए प्रख्यात चिंतक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय टोली सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि भारत की पहचान, भारत का आध्यात्मिक दृष्टिकोण है जिसका पालन पूरा विश्व कर रहा है। भारत पीढ़ियों से उद्योग प्रधान समाज रहा है। कौशल के शिक्षण केंद्र भारत के घर थे, जहां ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजा गया। उन्होंने प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. वैद्य ने स्पष्ट किया कि हिंदू कोई संकीर्ण धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक मार्ग अर्थात् वे ऑफ लाइफ है। उन्होंने वर्तमान समय को भारत के लिए स्वर्णिम काल बताया और युवाओं से भारत की मूल अस्मिता को संरक्षित रखने का आव्हान किया।

भारत को अस्थिर करने के भू-राजनीतिक खेल का पर्दाफाश' विषय पर विख्यात भूदूराजनैतिक समीक्षक पथीकृत पायने ने अपने वक्तव्य में कहा कि कई तथ्यविहीन ग्लोबल इंडेक्स का उद्देश्य जनतांत्रिक व्यवस्था में असंतोष पैदा कर अराजकता को जन्म देना एवं तख्तापलट करना है। इसी सत्र में अंतर्राष्ट्रीय विषयों के विशेषज्ञ अनमोल जैन ने कहा कि भारत विरोधी ताकतों द्वारा सोशल मीडिया पर असत्य विमर्श गढ़कर भारत की आर्थिक प्रगति एवं विकास में बाधा उत्पन्न करने का लगातार प्रयास किया जाता है। प्रखर वक्ता सतीश पांडा ने भारत की जनगणना प्रवृत्तियों पर एक समीक्षात्मक दृष्टि विषय पर जनगणना नीतियों, धार्मिक पहचान और जनसंख्या संरचना के पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनगणना के माध्यम से जातिगत आधार पर भारतीय समाज का कृत्रिम वर्गीकरण कर, भारत की नैसर्गिक एकता को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया जा रहा है।